राजावत परिवार - परिचय

Duration : 01.48 **Transcribed words :** 333

- संगीत -

00.08 जय सिंह राजावत : मेरा नाम जयसिंह राजावत है... और मैं वैसे गाईडिंग भी करता हूं... इसके अलावा मैं प्राईवेट जॉब भी करता हूँ मैं...

00.13 कृष्णा कँवर कृष्णावत : मेरा नाम है कृष्णा कँवर कृष्णावत है... मैं जयपुर में रहती हूँ... और मैं एक हाऊस वाईफ हूँ...

00.20 यधुवीर सिंह राजावत : मेरा नाम यधुवीर सिंह राजावत है... मैं अभी कम्प्यूटर साईंस में इंजीनियरिंग कर रहा हूँ... उसमें मैं सेकेंड ईयर में हूँ... जे. ई. ई. आर. सी. कॉलेज से... जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एण्ड रिसर्च सेंटर...

00.29 वृंध्या भटला राजावत : मेरा नाम वृंध्या भटला राजावत है... मैं अभी कनौडिया कॉलेज में हूँ... मैं अभी स्टुडेंट हूँ... और मैं सेकेंड ईयर में अब आई हूँ... और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कर रही हूँ मैं... और मैं जयपुर में रहती हूँ... और मेरा ननिहाल उदयपुर में है...

00.45 यधुवीर सिंह राजावत : मुझे वैसे साईक्लिंग का शौक है... और मैं अपने दोस्तों के साथ, उनके साथ रहना ज़्यादा अच्छा लगता है मुझे...

00.50 वृंध्या भटला राजावत : मुझे घूमने का शौक है... तो मैं, जैसे जयपुर में भी फ्रेंड्स के साथ घूमती हूँ...

(संगीत)

01.07 कृष्णा कँवर कृष्णावतः राजपूतों में शायद सबसे ज़्यादा रीति रिवाज होयेंगे मेरे ख्याल से... (हँसी)

01.11 वृंध्या भटला राजावत : राजपूतों में खम्मा घणी कहते हैं...

01.14 कृष्णा कँवर कृष्णावतः बोल के, खम्मा घणीबोल के बड़ों को तो पैर झुकके पूरा, बाकायदा नीचे बैठ के और ऐसे खड़े होते हैं हम लोग... अलग ही पगै लगना बोलते हैं उसको...

01.23 वृंध्या भटला राजावत : और वैसे घर पर या कोई राजपूत वगैरह होते हैं या कोई हमारे रिलेटिव वगैरह, तो उनके सामने होकम बोलना पडता है, जी के जगह और खम्मा घणी करनी पड़ती है उनको...

01.34 कृष्णा कँवर कृष्णावतः बिराजो, जीमो और ये शब्द ज़्यादा यूज करते हैं... होकुम बोलना हमारे, थोड़ा, बड़ों को होकुम बोल के, मतलब आदर के साथ, आदर का वर्ड है ये होकुम...